अनुक्रमांक : मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 08

नाम : ...

102 **2026** **302 (BN)**

सामान्य हिन्दी

समय : 3 घण्टे, 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

सामान्य निर्देश :

i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

ii) सम्पूर्ण प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित हैं।

iii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

खण्ड -- 'क'
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. क) 'पतितों के देश में' रचना है : **(1)**

(i) राहुल सांकृत्यायन की

(ii) रामवृक्ष बेनीपुरी की

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी की

(iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की

ख) संपूर्णानन्द द्वारा सम्पादित पत्रिका है : **(1)**

(i) धर्मयुग

(ii) हंस

(iii) सरस्वती

(iv) मर्यादा

ग) 'भाग्यवती' उपन्यास के लेखक हैं : **(1)**

(i) मुंशी प्रेमचन्द

(ii) अमृतलाल नागर

(iii) श्रद्धाराम फुल्लौरी

(iv) रामप्रसाद निरंजनी

घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी 'पद्मभूषण' उपाधि से सम्मानित हुए : **(1)**

(i) 1963 में **(ii)** 1959 में

(iii) 1957 में **(iv)** 1950 में

ङ) **निम्नलिखित साहित्यकारों में नाटककार हैं :** **(1)**

(i) रामचन्द्र शुक्ल

(ii) डॉ. नगेन्द्र

(iii) मोहन राकेश

(iv) महादेवी वर्मा

2. क) मैथिलीशरण द्वारा रचित कृति है : **(1)**

(i) रसकलश

(ii) दानलीला

(iii) प्रदक्षिणा

(iv) अतिमा

ख) **'रामधारी सिंह दिनकर' की रचना है :** **(1)**

(i) पृथ्वीपुत्र

(ii) स्वर्ण किरण

(iii) परशुराम की प्रतीक्षा

(iv) ऐसा कोई घर आपने देखा है

ग) **'छायावाद' की विशेषता है :** **(1)**

(i) इतिवृत्तात्मकता

(ii) सौन्दर्य एवं प्रेम

(iii) श्रृंगारिक भावना

(iv) उपदेशात्मक वृत्ति

घ) **'छायावाद' युग में लिखी गई रचना है :** **(1)**

(i) प्रेम माधुरी

(ii) उद्धवशतक

(iii) चित्राधार

(iv) सूरसारावली

ङ) **महाकवि भूषण की रचना है :** **(1)**

(i) चिदम्बरा

(ii) यामा

(iii) छत्रसाल दशक

(iv) दीपशिखा

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(5 × 2 = 10)**

पृथ्वी और आकाश के अन्तराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोए हुए के समान हैं।

विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का एक नया ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) राष्ट्रीय चेतना में भौतिक ज्ञान-विज्ञान के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

(iv) लेखक ने राष्ट्र की सुप्त अवस्था कब तक स्वीकार की है ?

(v) विज्ञान और श्रम के संयोग से राष्ट्र प्रगति के पथ पर कैसे अग्रसर हो सकता है ?

अथवा

ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निंदा भी होती है, लेकिन इसमें वह मजा नहीं जो मिशनरी भाव से निंदा करने में आता है। इस प्रकार का निंदक बड़ा दु:खी होता है। ईर्ष्या-द्वेष से चौबीसों घंटे जलता है, और निंदा का जल छिड़क कर कुछ शान्ति अनुभव करता है। ऐसा निंदक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात स्वान जैसा भौंकता है। ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निंदा करनेवाले को कोई दंड देने की जरूरत नहीं है, वह निंदक बेचारा स्वयं दंडित होता है। आप चैन से सोइये और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दण्ड चाहिए ?

निरन्तर अच्छे काम करते जाने से उसका दंड भी सख्त होता जाता है। जैसे एक कवि ने अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्याग्रस्त निंदक को कष्ट होगा। अब अगर एक और अच्छी लिख दी, तो उसका कष्ट दुगुना हो जाएगा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के लेखक और पाठ का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) निंदा कितने प्रकार की होती है ?

(iv) मिशनरी भाव से निंदा करने से क्या मिलता है ?

(v) ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निंदक किस कारण सो नहीं पाता ?

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **(5 × 2 = 10)**

ज्यों ज्यों लगती नाव पार
उर में आलोकित शत विचार !
इस धारा सा ही जग का क्रम
शाश्वत इस जीवन का उद्गम
शाश्वत है गति, शाश्वत संगम
शाश्वत नभ का नीला विकास,
शाश्वत शशिका यह रजत हास,
शाश्वत लघु लहरों का विलास

UPBoardhub

हे जगजीवन के कर्णधार !
चिर जन्म मरण के आर-पार,
शाश्वत जीवन-नौका विहार।
मैं भूल गया अस्तित्व ज्ञान,
जीवन का यह शाश्वत प्रमाण
करता मुझको अमरत्व दान !

(i) उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं पद्यांश का नाम लिखिए।

(ii) जग का क्रम किस प्रकार का है ?

(iii) किन-किन तथ्यों को शाश्वत बताया गया है ?

(iv) रजत हास और कर्णधार का क्या अर्थ है ?

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

अलसता की सी लता
किंतु कोमलता की वह कली
सखी नीरवता के कंधे पर डाले बाँह
छॉह-सी अम्बर पथ से चली
नहीं बजती उसके हाथों में कोई वीणा,
नहीं होता कोई अनुराग -- राग -- आलाप,
नूपुरों में भी रुन झुन रुन झुन रुन झुन नहीं
सिर्फ एक अव्यक्त शब्द सा 'चुप -- चुप -- चुप'
है गूँज रहा सब कहीं।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं पद्यांश का नाम लिखिए।

(ii) कवि ने संध्या को किस रूप में चित्रित किया है ?

(iii) अलसता की लता किसको कहा गया है ?

(iv) अव्यक्त शब्द का अर्थ और विलोम शब्द लिखिए।

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

5. क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) **(3 + 2 = 5)**

(i) वासुदेव शरण अग्रवाल

(ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

UPBoardhub

ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (3 + 2 = 5)

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) जयशंकर प्रसाद

6. 'बहादुर' कहानी का सारांश अपनी भाषा में लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) (5)

अथवा

'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. (i) 'मुक्तियज्ञ' खण्ड काव्य की संक्षिप्त कथा अपने शब्दों में लिखिए। (5)

अथवा

'मुक्तियज्ञ' के नायक गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दु:शासन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी चीर हरण का वृत्तान्त लिखिए।

(iii) 'रश्मिरथी' खण्ड काव्य के आधार पर कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर पंचम सर्ग की कथा का वर्णन कीजिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर द्वितीय सर्ग की कथा का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर नारी पात्र राजश्री का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथा वस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

UPBoardhub

खण्ड -- 'ख'

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **(2 + 5 = 7)**

संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास भारवि भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च यतो भारतमातुः स्वातंत्र्यं गौरवं अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वं च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठ चास्ति।

ततः सुष्ठुक्तम् -- 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती'।

अथवा

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात्। अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति। सा मैत्रेयी उवाच -- येनाहं नामृतास्यामं किमहं तेन कुर्याम्। यदेव भगवान केवलममृतत्व साधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि।

याज्ञवल्क्य उवाच -- प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे। एहि उपविश, व्याख्यास्यामि ते अमृतत्वस्य साधनम्।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **(2 + 5 = 7)**

विद्या विवादाय धनं मदाय
शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्
ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय॥

अथवा

"जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः।
स हेतुः सर्वविद्यानां धनस्य धर्मस्य च॥"

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **(1 + 1 = 2)**

(i) उल्टी गंगा बहाना

(ii) ओखली में सिर देना

(iii) काठ का उल्लू

(iv) खून खौलना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

शिक्षा व्यक्ति और समाज दोनों के विकास के लिए अनिवार्य है। अज्ञान के अंधकार में जीना तो मृत्यु से भी अधिक कष्टकारी है। ज्ञान के प्रकाश में ही जीवन के रहस्य खुलते हैं और हमें अपनी पहचान मिलती है। शिक्षा मनुष्य को मस्तिष्क और देह का उचित प्रयोग करना सिखाती है। वह शिक्षा जो मनुष्य को पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान के अतिरिक्त कुछ गंभीर चिन्तन न दे व्यर्थ है। यदि हमारी शिक्षा सुसंस्कृत, सभ्य, सच्चरित्र एवं अच्छे नागरिक नहीं बना सकती तो उससे क्या लाभ ? संसार के सभी वैभव व सुख साधन भी मनुष्य को तब तक सुखी नहीं बना सकते जब तक कि मनुष्य को आत्मिक ज्ञान न हो।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

(ii) शिक्षा को मनुष्य के लिए क्यों अनिवार्य माना गया है ? **(1)**

(iii) सभी वैभव प्राप्त व्यक्ति कब तक सुख नहीं प्राप्त कर सकता ? **(2)**

अथवा **(2)**

अथवा

जीवन में सफल वही है, जो उपयुक्त समय पर उपयुक्त चुनाव करना जानता है। कुछ चुनाव हमारे वश में नहीं हैं -- जैसे माता-पिता का, जन्म-मृत्यु का। किन्तु कुछ हमारे वश में हैं जिन पर हमारी सफलता-असफलता निर्भर है -- जैसे संगति का चुनाव, आलस्य या परिश्रम का चुनाव आदि। संगति का चुनाव इन सब में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। क्योंकि इस चुनाव पर हमारा आचरण, कर्म, विचार, भाषा -- स्तर, मनुष्यता और हमारी सफलता--असफलता निर्भर करती है। मनुष्य का चित्त बुराइयों की ओर जल्दी आकृष्ट हो जाता है। जिस प्रकार पानी सदैव नीचे की ओर बहता है, उसी प्रकार मनुष्य का मन भी बुराइयों की ओर शीघ्र भागता है। हम विवेक से काम लेकर अच्छे और बुरे का चुनाव कर सकते हैं और सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) मानव मन की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(iii) जीवन में कौन सफलता प्राप्त कर सकता है ?

11. क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) तरंग -- तुरंग **(1)**

(अ) हाथी और घोड़ा
(ब) अस्थिपंजर और निर्धन
(स) लहर और घोड़ा
(द) तेज आवाज और धीमी आवाज

(ii) भवन -- भुवन **(1)**

(अ) घर -- संसार
(ब) होना -- भूमि
(स) व्यापक -- संसार
(द) होनी -- अनहोनी

ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : **(1 + 1 = 2)**

(i) नाग

(ii) नाक

(iii) द्विज

(iv) मित्र

ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो पढ़ना -- लिखना जानता हो **(1)**

(अ) विद्वान्

(ब) पंडित

(स) साक्षर

(द) छात्र

(ii) वंदना करने योग्य **(1)**

(अ) स्तुति

(ब) प्रार्थना

(स) देवता

(द) वंदनीय

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : (1 + 1 = 2)

(i) घर के सामानों को रख दो

(ii) मेरे को फल ले आओ

(iii) पक्षी पेड़ में है

(iv) शिक्षक ने छात्र की प्रशंसा की

12. क) 'करुण' रस अथवा 'शृंगार' रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। (1 + 1 = 2)

ख) 'रूपक' अथवा 'अनुप्रास' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। (1 + 1 = 2)

ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छंद की परिभाषा लिखकर उदाहरण भी लिखिए। (1 + 1 = 2)

13. बैंक प्रबन्धक के नाम एक आवेदन -- पत्र लिखिए, जिसमें किसी व्यवसाय को स्थापित करने हेतु ऋण की माँग की गई हो। (2 + 4 = 6)

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : (2 + 7 = 9)

(i) अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम।

(ii) महिला सशक्तिकरण की उपयोगिता।

(iii) बेरोजगारी की समस्या और समाधान।

(iv) मेरा प्रिय खेल।

(v) नयी शिक्षानीति की विशेषताएँ।